

छाई रे खाटू नगर में बहार

छाई रे खाटू नगर में बहार,
श्याम मिलन की रूत आई,
आया फागुण का रंगीला त्यौहार,
श्याम मिलन की रूत आई,
छाई रे खाटू नगर मे बहार,
श्याम मिलन की रूत आई ॥

जो हैरान जो है परेशान,
सुनता सभी की खाटु का श्याम,
फागुण में लगती अदालत बड़ी,
बनते है काम यहाँ हर एक घडी,
तुम भी आना फागुण में हर बार,
श्याम मिलन की रूत आई,
छाई रे खाटू नगर मे बहार,
श्याम मिलन की रूत आई ॥

जिन नैनो की ये है ज्योति,
रौशनी उनकी कम ना होती,
ये ही उजाला ये ही है किरण,
किरपा से इनकी बनता जीवन,
इनके होते ना होता अंधकार,
श्याम मिलन की रूत आई,
छाई रे खाटू नगर मे बहार,
श्याम मिलन की रूत आई ॥

क्या राजा क्या है फ़कीर,
इनके ही हाथों सबकी तकदीर,
ये ही तो लेख सारे लिखता है,
ये ही तो किस्मत बदलता है,
ये ब्रम्हा और विष्णु अवतार,
श्याम मिलन की रूत आई,
छाई रे खाटू नगर मे बहार,
श्याम मिलन की रूत आई॥

केवट बना और साँप दे पतवार,
नैया होगी ना तेरी मझधार,
नैया कोई तेरी रोक ना पाए,
दावा है 'निर्मल' का होगी ये पार,
सबकी नैया का खेवनहार,
श्याम मिलन की रूत आई,

छाई रे खाटू नगर मे बहार,
श्याम मिलन की रुत आई॥

छाई रे खाटू नगर में बहार,
श्याम मिलन की रुत आई,
आया फागुण का रंगीला त्यौहार,
श्याम मिलन की रुत आई,
छाई रे खाटू नगर मे बहार,
श्याम मिलन की रुत आई ॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3216/title/chai-re-khatu-nagar-me-bhaar-shyam-milan-ki-rut-aa>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |